किसी भी जीव के कष्टों के तीन कारण हैं

1. जीव के अपने गलत कार्य करने के कारण।
2. गलत काम करने वाले व्यक्ति की सहायता या समर्थन करने के कारण।
3. गलत काम करने वाले व्यक्ति से प्यार या नफरत के माध्यम से मन को जोड़ने के कारण।

जैसे कोई शाकाहारी लडकी यदि मांसाहारी, शराबी या अन्य पापाचार करने वाले से प्यार करती है, तो उस लडके के साथ लडकी को भी नरक की भयानक यातनाएं सहन करनी पड़ेगी। वो अपने पाप के कारण गधा बना तो लडकी को गधी बनना पड़ेगा।

धर्मग्रंथों में कहानी है कि कैसे गलत लगाव से जीव की हानी हो जाती है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

जड़-भरत एक संत व्यक्ति थे और उन्होंने अपना सारा जीवन आध्यात्मिक साधना में बिताया था और एक उच्च आध्यात्मिक अवस्था में पहुँच गए थे।

एक दिन जब वे एक नदी में नहा रहे थे, एक हिरनी शेर की दहाड सुनकर नदी के पानी के कुद गई। वह गर्भवती थी और पानी पार करते समय उसके पेट की संतान नदी में गिर गई। जड़-भरत ने हिरन के बच्चे को उठाया और अपने आश्रम (मठ) में ले गये। लेकिन उन्होंने कर्तव्य करने के बजाय, बच्चे के हिरण के प्रति प्यार विकसित किया और उसे हमेशा अपने साथ रखते थे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

जब वह मरने वाले थे तो उनका मन हिरन के विचारों में लीन था। उसने अपने सभी शिष्यों को बुलाया और उन्हें हिरन की देखभाल करने के लिए कहा और उनकी मृत्यु हो गई। उनको अगले जन्म में हिरन बनना पड़ा।

हालांकि, अपने उन्नत आध्यात्मिक स्थिती के कारण, उन्हें अपना पिछला जीवन याद था। हिरन के जीवन के बाद, उन्हें फिर से मानव के रूप में जन्म मिला। उस जीवन में उन्होंने एक पागल व्यक्ति की तरह काम किया ताकि कही अवांछित लगाव न हो। उस जन्म में साधना के माध्यम से उन्होंने अपने परम लक्ष्य को प्राप्त किया।

इस प्रकार गलत व्यक्तियों के प्रति लगाव आपको कहीं भी ले जा सकता है, जहा ऐसे व्यक्ति जायेंगे - ज्यादातर नरक। मन का लगाव मोहब्बत और नफरत से होता है। इसलिए किसी से न प्यार करो न द्वेष करो। केवल ईश्वर और वास्तविक संत से प्रेम करो ताकि आध्यात्मिक उन्नति हो।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132